200 एकड़ में बनेगी एआई सिटी, 3.50 लाख करोड़ का होगा निवेश

दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में एआई सिटी पर बनी थी सहमति, जमीन देखने यमुना सिटी पहुंचे निजी कंपनी के पदाधिका

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में एआई सिटी विकसित करने के लिए बनी सहमति के बाद अब यमुना सिटी में इसे विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है। प्रदेश सरकार के निर्देश पर यमुना प्राधिकरण निजी कंपनी को यमुना सिटी में एयरपोर्ट के पास करीब 200 एकड़ जमीन उपलब्ध कराएगी।

बुधवार को कंपनी के सीईओ नवजीत गिल ने यीडा के सीईओ राकेश कुमार सिंह से मुलाकात की। इसके बाद कंपनी का प्रतिनिधिमंडल यमुना सिटी में दोनों सेक्टरों में मौजूद भूखंड को देखने के लिए पहुंचे। इस परियोजना पर अलग-अलग चरणों में करीब 3.50 लाख करोड़ रुपये निवेश किए जाएंगे। यहां देश की सबसे बड़ी एआई लैब विकसित करने की तैयारी है।

एयरपोर्ट के पास सेक्टर-8डी और सेक्टर-28 में उपलब्ध कराई जा सकती है जमीन

रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है सेक्टर-8डी

सीईओ ने बताया कि सेक्टर-8डी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। जहां नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट यहां से नजदीक है। वहीं, कई बड़े प्रोजेक्ट इसी सेक्टर में आ रहे हैं। इसके अलावा गंगा एक्सप्रेसवे, यमुना एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे की भी सीधी कनेक्टिविटी यहां से मिल सकेगी। कंपनी से सहमति मिलने और इंवेस्ट यूपी से लेटर ऑफ कंफर्ट जारी होने के बाद जमीन आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

इससे एआई के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार के मौके मिलेंगे। सीईओ राकेश कुमार सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश में भविष्य की जरूरत को देखते हुए एआई तकनीक पर प्रदेश में काम शुरू कराना चाहते हैं। यमुना प्राधिकरण भी एयरपोर्ट के पास एक एआई हब विकसित करने की योजना पर काम कर रहा है। मुख्यमंत्री की मंशा को ध्यान में रखते हुए दावोस में वित्तमंत्री सुरेश खन्ना और अपर मुख्य सचिव वित्त दीपक कुमार ने एएम ग्रीन कंपनी के निदेशकों के साथ एआई सिटी के प्रोजेक्ट पर सहमति बनाई।

लखनऊ में बैठक के बाद कंपनी के सीईओ खुद अपनी टीम के साथ ग्रेटर नोएडा आए और योजना साझा करते हुए जमीन की आवश्यकता बताई। सीईओ ने कंपनी की जरूरत के मुताबिक सेक्टर-8डी सेक्टर-28 में दो जगह जमी उपलब्धता की जानकारी दी है। क शुरुआत में सेक्टर-8डी की जम नियोजन में कुछ संशोधन के साथ सहमति दी है।

सीईओ नवजीत गिल का कहना कंपनी की योजना यहां एआई लैब ब है। इसमें डाटा सेंटर के अलावा लर्निंग, एआई टूल व मॉडल ब अलावा रिसर्च पर भी काम होगा।